8. Explain the Buddhist concept of Nirvana and the path to attain it.

निर्वाण की बौद्ध धारणा और उसे प्राप्त करने के मार्ग को स्पष्ट कीजिए।

***

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **7058** **I**

Unique Paper Code : 2102203602

Name of the Paper : Philosophical Understanding of Religion (DSC-12)

Name of the Course : **NEP-B.A. (Prog.)**

Semester : VI

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 90***

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No, on the top immediately on receipt of this question paper.
इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Answer may be written either in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.
इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

(c) Attempt any **five** questions. Each question carries equal marks.

कोई भी **पांच** प्रश्न हल करें। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

1. What is philosophy of religion ? How is it related to religion ? Explain.

धर्म दर्शन क्या है ? यह धर्म से कैसे संबंधित है ? व्याख्या कीजिए।

2. Elaborate the metaphysical attributes of God.

ईश्वर के तात्विक गुणों को विस्तार से बताएं।

3. Distinguish between natural evil and moral evil. Is the existence of evil compatible with the existence of an omnipotent and benevolent God ? Discuss with reference to H.J. McCloskey's 'God and Evil'.

प्राकृतिक अशुभ और नैतिक अशुभ के बीच अंतर बताइए। क्या एक सर्वशक्तिमान और दयालु ईश्वर के अस्तित्व के साथ अशुभ का अस्तित्व संगत है ? एच.जे. मैकक्लोस्की के 'गॉड एंड एविल' के संदर्भ में समझाइए।

4. Explain the concept of religious pluralism and its types.

धार्मिक बहुलतावाद की अवधारणा और उसके प्रकारों को स्पष्ट करें।

5. "Clifford defends the notion that we have a strict duty never to hold beliefs which have insufficient evidence". Do you agree with Clifford's view in this regard ? Discuss.

"क्लिफोर्ड इस धारणा का समर्थन करते हैं कि हमारा यह विशुद्ध कर्तव्य है कि हम कभी भी ऐसे विश्वास न रखें कि जिनके लिए अपर्याप्त साक्ष्य हो।" क्या आप इस संबंध में क्लिफोर्ड के विचार से सहमत हैं ? समझाइए।

6. Can logic and faith complement each other in religious matters ? Explain with reasons.

क्या धार्मिक विषयों में तर्क और आस्था एक दूसरे के पूरक हो सकते हैं ? कारण सहित समझाइए।

7. What do you understand by revelation ? Explain in detail what has been said about it in the philosophy of religion.

रहस्योद्घाटन से आप क्या समझते हैं ? विस्तारपूर्वक बताइए कि धर्म के दर्शन में इसके बारे में क्या कहा गया है।